

Semester II

## Pedagogy History 7 A

### Unit VI: Examination and Evaluation of History

- a. Introduction
- b. Meaning of Evaluation
- c. Difference Between Evaluation And Measurement
- d. Purpose of Evaluation
- e. Techniques of Evaluation.
- f. Essay Type Test.
- g. New Type Tests or objective Type Tests
- h. Types of Objective Type Tests.
- i. Defects of New Type Tests.
- j. Comparative study of objective Type And Essay Type Tests.
- K. History Teacher And Evaluation Programme.
- L. Specific Aims of History Teaching At The Secondary stage .
- M.

By.

Dr. Asha Kumari Gupta.

Asha Kumari Gupta

## **वर्स्तुनिष्ठ तथा निबन्धात्मक परीक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन (COMPARATIVE STUDY OF OBJECTIVE TYPE AND ESSAY TYPE TESTS)**

इन दोनों परीक्षणों की तुलना विशेषताओं के आधार पर निम्न तालिका में की जा रही है—

विशेषता	निबन्धात्मक परीक्षण	वर्स्तुनिष्ठ परीक्षण
1. प्रश्नों की रचना	1. इसमें प्रश्नों की रचना अपेक्षाकृत सरल होती है।	1. इसमें प्रश्नों की रचना एक कठिन कार्य है।

- |  |   |   |
|--|---|---|
| 2. विषय-वस्तु का न्यादर्शीकरण (Sampling) | 2. इसमें विषय-वस्तु का मूल्यांकन सीमित रूप में होता है।   | 2. इसमें विषय-वस्तु के व्यापक क्षेत्र का मूल्यांकन सम्भव है।  |
| 3. ज्ञान तथा अवबोध का मापन               | 3. ज्ञान तथा अवबोध दोनों की जाँच हो सकती है परन्तु अवबोध की जाँच के लिये अधिक सक्षम है।   | 3. ज्ञान तथा अनुबोध दोनों की जाँच सम्भव है। परन्तु ज्ञान की जाँच पर अधिक बल दिया जाता है।   |
| 4. छात्रों द्वारा तैयारी                 | 4. विषय-वस्तु की बड़ी इकाइयों की तैयारी पर बल दिया जाता है।   | 4. पाठ्यवस्तु के तथ्यात्मक पक्षों की तैयारी पर विशेष बल दिया जाता है।   |
| 5. छात्र द्वारा दिये जाने वाले उत्तर     | 5. मौलिक ढंग के उत्तर देने की गुंजाइश रहती है। छात्र के उत्तर में कल्पना-शक्ति, निर्णय-शक्ति, स्मरण-शक्ति तथा व्यक्तित्व की झाँकी मिलती है। | 5. प्रत्यास्मरण रूप के प्रश्नों को छोड़कर छात्र को दिये गये विकल्पों में से ही उत्तर छाँटना पड़ता है। अतः छात्र को अपनी मौलिकता प्रदर्शित करने का कोई अवसर प्राप्त नहीं होता। |
| 6. सही उत्तर का अनुमान लगाना             | 6. इसमें उत्तरों का अनुमान लगाने की कोई सम्भावना नहीं है।   | 6. इसमें अनुमान से उत्तर देने के बहुत अवसर हैं।   |
| 7. अंकन की दृष्टि से                     | 7. अंकन की दृष्टि से यह परीक्षा कठिन तथा समय-साध्य होती है। साथ ही यह अविश्वसनीय है।  | 7. इसमें अंकन सरल, विश्वसनीय तथा शीघ्रता-पूर्वक होता है।  |